।। श्रीराधा ।।

बिगरी जनम अनेक की सुधरै अबहीं आजु ।
होहि राम को नाम जपु तुलसी तजि कुसमाजु।।

भावार्थ - तुलसीदासजी कहते हैं कि तू कुसङ्गति को और चित्त के सारे बुरे विचारों को त्याग कर राम का बन जा और उनके नाम का जप कर। ऐसा करने से तेरी अनेकों जन्मों की बिगड़ी हुई स्थिति आज अभी सुधर जा सकती है।

श्रीतुलसीदासजी, दोहावली - २२

हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे ।

हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे।।

हरे राम हरे राम
राम राम हरे हरे ।
हरे कृष्ण हरे कृष्ण
कृष्ण कृष्ण हरे हरे ।।